स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

अंतिम परीक्षा–1 सेमेस्टर 2014–15 (जुलाई 2015)
ए ई एम–101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास में विस्तार सुधार योजना (ईआरएस) के महत्व पर चर्चा कीजिए। आपके जिले में विस्तार सुधार योजना कैसे किसानों की आजीविका में सुधार लाया है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखितों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   a) कृषि स्थिति आधारित विस्तार (5 अंक)
   b) विस्तार विधियों के प्रकार (5 अंक)
   c) कृषि में लिंग–अनुपात संबंधी मुद्दे (4 अंक)

3. कृषि पाठशाला एवं कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला में अंतर क्या है? आप कैसे एक प्रक्षेत्र पाठशाला संचालित करेंगे? ऐसी एक कृषि पाठशाला का विवरण दीजिए, जिसने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण में स्पष्ट प्रभाव डाली हो ।

4. कृषि मंत्रालय के प्रमुख फ्लैगशिप कार्यक्रमों की सूचीदीजिए। किन्हीं दो कार्यक्रमों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. (क) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन और प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का अंतर क्या है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

   (ख) कृषि संबंधी विभिन्न विभागों को तकनीकी मदद प्रदान करने के लिए आप के जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र और अनुसंधान संस्थानों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

6. (क) आर–ई–एफ–एम संपर्क का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

   (ख) वैज्ञानिक–विस्तार कार्यकर्ता–किसानों के बीच की पारस्परिक चर्चा आपके जिले में वांछित कृषि–विकास प्राप्त करने में कैसे मदद करेगी?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए :

   (क) प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन एवं परिष्करण

   (ख) प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण में सहभागी पद्धतियाँ

   (ग) किसान कॉल केन्द्र

   (घ) स्वयं सहायता समूह का महत्व

   (ङ) एस आर ई पी

8. निम्नलिखितों के बीच का अंतर समझाइए:

   (क) विधि प्रदर्श एवं परिणाम प्रदर्शन–उदाहरण सहित (4 अंक)

   (ख) किसानोन्मुख विस्तार एवं समूहोन्मुख विस्तार–उदाहरण सहित (5 अंक)

   (ग) कृषि–क्लिनिक एवं कृषिव्यवसाय केन्द्र–उदहारण सहित (5 अंक)

****

January, 2015

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

पूरक परीक्षा – 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम–101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   i) कृषि विस्तार के चार उदाहरण
   ii) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
   iii) विस्तार के कार्य
   iv) विश्व में अपनाई जा रही प्रमुख विस्तार पद्धतियाँ
   v) राष्ट्रीय बागवानी मिशन
   vi) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

2. सरकारी एवं निजी साझेदारी की आवश्यकता तथा महत्व को सविस्तार स्पष्ट कीजिए तथा ऐसे विस्तार सेवा प्रदायकों की सूची तैयार कीजिए, जो सरकारी विस्तार के साथ साझेदार बन सकें।

3. अपने क्षेत्र अनुभव के आधार पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो के प्रभाव पर चर्चा कीजिए :

   (क) महात्मागाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम

   (ख) महिलाओं को मुख्य धारा में लाना

   (ग) जल–संभार विकास कार्यक्रम

   (घ) किसान कॉल केन्द्र (के सी सी)

   (ङ) कृषि क्लिनिक एवं कृषि व्यवसाय केन्द्र

4. कृषि पाठशाला संबंधी अवधारणा के उद्देश्य, प्रचालन, इसकी सीमाओं और विषमताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. कृषि विस्तार से प्राप्त करने वाली मदद एवं सेवाओं के संदर्भ में किसानों की बदलती आवश्यकताएँ क्या–क्या हैं? किसानों की क्षमता–निर्माण में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका क्या है?

6. विस्तार सुधार के तहत् ''माल हितैषी समूहों (सी आई जी)'' को बढ़ावा दिया जाता है। माल हितैषी समूहों एवं उनके संघ के गठन में सम्मिलित प्रक्रियाओं और चरणों का संगत उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

7. कृषि विस्तार गतिविधियों में महिला कृषकों की भागीदारी को कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

8. 'आत्मा' क्या है? 'आत्मा' के मुख्य मार्गदर्शी सिद्धांतों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

****

December, 2014

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं

पूरक परीक्षा – 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम–101 : कृषि विस्तार प्रबंधन का परिचय (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. कृषि विस्तार एवं विस्तार शिक्षा का अंतर उदाहरण सहित समझाइए।
2. कृषि विस्तार में बहुलतावाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
3. निम्नलिखितों के बारे में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) विस्तार में परस्परानुबंधन (Dovetailing)

   (ख) कृषि–प्रणाली दृष्टिकोण

   (ग) अभिग्रहण का अंतर

   (घ) सरकारी–निजी साझेदारी
4. एस आर ई पी की नैदानिकी एवं कार्य–नीति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
5. महिलाओं को मुख्य धारा में लाने की अवधारणा, इसके उद्देश्य एवं गतिविधियों को स्पष्ट कीजिए।
6. आपकी राय में क्या हमें कृषि पाठशाला की ज़रूरत है? यदि हाँ, तो इसके उद्देश्य एवं संगठनात्मक क्रियाविधि तथा इसकी सीमाओं/कठिनाइयों को स्पष्ट कीजिए।
7. बास्केट–दृष्टिकोण क्या है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
8. तकनीकी हस्तांतरण में किसान कॉल सेन्टर के औचित्य को स्पष्ट कीजिए।

****

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

परीक्षा – जुलाई 2014

एईएम–101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. कृषि विस्तार कार्यक्रमों की सहायता में निम्नलिखित **किन्हीं दो** संगठनों की भूमिका के बारे में संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए:
   (क) राष्ट्रीय महिला कोष

   (ख) तकनीकी का मूल्यांकन और परिष्करण – संस्थान ग्राम संपर्क कार्यक्रम

   (ग) कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र

2. (क) फार्म स्कूल और फार्म फील्ड स्कूल की अवधारणा का अंतर स्पष्ट कीजिए।
   (ख) 'आत्मा' के तहत् आप कृषि पाठशाला कैसे आयोजित करेंगे? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आपके अनुभव के आधार पर सक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) कृषि–पारिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण

   (ख) कृषि–विकास कार्यक्रमों/योजनाओं में महिला–सशक्तिकरण के लिए अपनाई जा रही पद्धतियाँ

   (ग) किसी एक नवाचार/तकनीकी की सफलता का वर्णन कीजिए, जिसने किसानों के उत्पादन–तरीकों को प्रभावित किया है।

4. निम्नलिखित का पूरा नाम लिखिए :

a) ATMA	e) AESA	i) FLD	M) FSA
b) PPP	f) RKVY	j) SAMETI	n) NRM
c) AC&ABC	g) NABARD	k) FIG	
d) SREP	h) KVK	l) FSBE	

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का संक्षिप्त वर्णन कीजिए :
   (क) कृषि विस्तार में बहुलवाद

(ख) कृषि विस्तार प्रबंधन में निजी–सरकार साझेदारी के लिए संभावित क्षेत्र

(ग) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका

(घ) माल हितैषी समूह

(ङ) कृषि विस्तार कार्यक्रम में एक निजी–सरकारी साझेदारी मॉडल

6. (क) कृषि कार्यक्रम या योजनाओं लागू करने के लिए किसानों के संगठनों को आप कैसे बढ़ावा देंगे?
(ख) किसानों के संगठनों को मज़बूत बनाने में आ रही दिक्कत्तें क्या–क्या हैं?

7 निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का वर्णन कीजिए:

(क) कृषि प्रणाली

(ख) रणनीतिक योजना बनाना

(ग) लोकतंत्रात्मक विकेन्द्रीकरण

(घ) लिंगपरक बजट बनाना

(ङ) विस्तार शिक्ष

8 विस्तार सुधार योजनाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 'आत्मा' के उद्देश्य एवं इसकी प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

****

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

विशेष पूरक परीक्षा – दिसंबर 2013

ए ई एम – 101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70

समय : 2½ घंटे

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. (अ) कृषि विस्तार का दर्शन–शास्त्र क्या है? भारत जैसे देश में इसका क्या महत्व है ?

   (आ) विस्तार–पद्धतियाँ क्या–क्या हैं? व्यक्तिगत, सामूहिक एवं सार्वजनिक पद्धतियों पर चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) विस्तार के कार्य
   (ख) विस्तार के तत्व
   (ग) किसानोन्मुख विस्तार
   (घ) पद्धति प्रदर्शन
   (ङ) परिणाम प्रदर्शन

3. प्रक्षेत्र स्कूल एवं प्रक्षेत्र फील्ड स्कूल तथा उनके कार्य के बारे में अपनी राय में चर्चा कीजिए।

4. कृषि स्थिति आधारित विस्तार क्या है? यह प्रक्षेत्र परिस्थितियों में कैसे महत्वपूर्ण है?

5. कृषि एवं ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

6. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की भूमिका एवं कृषि विस्तार पर इसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

7. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना पहल में आपकी भूमिका एवं उक्त कार्यक्रम की विशेषता पर चर्चा कीजिए।

8. कृषि विस्तार में आपको ज्ञात सफल गाथाओं पर चर्चा कीजिए।

* * * * *

Sept.2013

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

ए ई एम – 101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. (अ) कृषि एवं ग्रामीण विकास में कृषि विस्तार कैसे प्रमुख भूमिका निभाता है?

   (आ) आपकी राय में ''कृषि विस्तार'' का मतलब और अवधारणा क्या है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) कृषि विस्तार की प्रक्रिया
   (ख) कृषि विस्तार का मुख्य उद्देश्य
   (ग) विस्तार शिक्षा एवं विस्तार सेवाएँ
   (घ) सहभागी विस्तार
   (ङ) समुदाय विकास कार्यक्रम (सी डी पी)

3. आपकी राय में ग्राहकों के अपनाने के तरीके/उत्पादन–तरीके में वाँछित बदलाव लाने हेतु बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँचने के लिए कौन–सी विस्तार पद्धति/पद्धतियाँ ज्यादा प्रभावी हैं? क्यों और कैसे?

4. आपकी समझ और अनुभव के आधार पर निम्नलिखित विस्तार कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (किन्हीं चार)
   (क) गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (आई ए ए पी)
   (ख) प्रशिक्षण एवं भ्रमण प्रणाली (टी एण्ड वी)
   (ग) ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों का विकास (डी डब्ल्यु सी आर ए)
   (घ) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई आर डी पी)
   (ङ) राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एन एच एम)
   (च) राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना (एन ए आई पी)

5. किसानों के उत्पादन तरीके में वाँछित बदलाव लाने के लिए कृषि विस्तार के चार मिसाल, जैसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, परामर्श सेवाएँ, मानव संसाधन विकास तथा सशक्तीकरण की सुविधाओं का कैसे सार्थक उपयोग किया जा सकता है? क्या आप इसके लिए सुझाव दे सकते हैं?

6. निम्नलिखित कार्यक्रमों के पक्ष–विपक्ष के बारे में अपने अनुभव के आधार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) महात्मा गाँधी ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (एम जी एन आर ई जी ए)
   (ख) समन्वित वाटरशेड विकास कार्यक्रम (आई डब्ल्यु डी पी)

   (ग) राष्ट्रीय ग्रामीण पेय जल कार्यक्रम (एन आर डी डब्ल्यु पी) और संपूर्ण स्वच्छता अभियान (टी एस सी)

7. (अ) किसानों को खेती से अधिक आय प्राप्त करने के लिए किसानों का संगठन या किसान हितैषी समूह कैसे किसानों की मदद करते हैं?

(आ) कृषि उत्पादन प्रक्रिया और किसानों की दशा सुधारने के लिए प्रभावी निजी–सरकारी साझेदारी के लिए क्या–क्या पहल करना चाहिए?

8. निम्नलिखित नीतिपरक कार्यक्रम–पहल के महत्व को उसके औचित्य सहित स्पष्ट कीजिए :
(क) कृषि में लिंगपरक मुख्य–धारा

(ख) कृषक प्रक्षेत्र स्कूल (एफ एफ एस)

(ग) महिला स्वयं सहायता समूह (एस एच जी)

(घ) कृषि–स्थिति आधारित विस्तार (एफ एस बी ई)

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
अंतिम परीक्षा, प्रथम सत्र 2011–12 (अगस्त 2012)

पाठ्यक्रम – 101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका (4 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. आप कृषि विस्तार को कृषि विकास से कैसे जोड़ेंगे? भारत में कृषि के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने में विभिन्न कृषि विस्तार कार्यक्रमों ने कैसे योगदान दिया? समस्याओं के साथ में विवेचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) कृषि विस्तार का प्रबंधन
   (ख) विस्तार में सरकारी–निजी सहयोग
   (ग) किसान सहभागी विस्तार
   (घ) खेती स्थिति आधारित विस्तार
   (ङ) संस्थान ग्रामीण संपर्क कार्यक्रम
3. कृषि विस्तार प्रणालियों को क्यों पुनरुज्जीवित करना चाहिए? टिकाऊ रीति में 21वीं सदी की कृषि–आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कृषि विस्तार नीति में कैसा परिवर्तन चाहिए?
4. भारत में निम्नलिखित विस्तार कार्यक्रमों की प्रभावकारिता और इनको लोकप्रिय बनाने में आनेवाली समस्याओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए:
   (क) कृषि विज्ञान केन्द्र
   (ख) आत्मा
   (ग) एस आर ई पी
   (घ) स्वयं सहायता समूह
5. आपकी राय में ऐसी कृषि विस्तार प्रणालियाँ क्या–क्या हैं, जिनके माध्यम से विस्तार कार्यकर्ता चावल के नवीन कृषि उत्पादन पैकेज (एस आर आई) को अपनाने के लिए अधिकाधिक किसानों तक सफलतापूर्वक पहुँच सके।
6. कृषि विस्तार से मदद एवं सेवाओं के लिए किसानों की बदलती ज़रूरतें क्या–क्या हैं? किसानों की क्षमता–वर्धन के लिए प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र कैसे प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं?

MANAGE

7. भारत में वाँछित कृषि विकास को प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक–विस्तार–किसान इंटरफेस कैसे मदद करेंगे, स्पष्ट उदाहरण/सफल गाथा के साथ चर्चा कीजिए।

8. अपने कृषि संबंधी उद्देश्यों और उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए किसानों की मदद करने में निम्नलिखित संस्थानों/कार्यक्रमों/मिशनों में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) ग्रामीण गैर–सरकारी संगठन और स्वैच्छिक संगठन

   (ख) पंचायती राज

   (ग) सहकारी एवं साख संस्थाएँ

   (घ) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन

   (ङ) राष्ट्रीय बागवानी मिशन

   (च) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम

***